कहानी संग्रह 'सयानी छोरी' का विमोचन

बीकानेर, (कासं)। 'सयानी छोरी' की कहानियां समकालीन विमर्श में साम्राज्यवाद के खिलाफ मजबूती से खड़े रहने का हौसला देती है। इन कहानियों की परिपक्वता बेजोड़ है। भाषा की सहजता और सरलता इन्हें सर्वग्राहय बनाती हैं।

पोकरमल राजरानी गोयल चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा सूर्य प्रकाशन मंदिर द्वारा प्रकाशित हिन्दी और राजस्थानी के वरिष्ठ साहित्यकार राजेन्द्र जोशी के नए हिन्दी कहानी संग्रह 'सयानी छोरी' के विमोचन के दौरान वक्ताओं ने यह उद्गार व्यक्त किए। राजमहल होटल में आयोजित कार्यक्रम में डॉ. उमाकांत गुप्त ने कहा कि राजेन्द्र जोशी की कहानियां आज के समय के सामने सीना ताने खड़ी है। यह समय की विद्रूपताओं से लड़ती है। इनकी सरल बनावट सबसे बड़ी खूबी है। इनकी कहानियां सवालिया जिंदगी के जवाब खोजने की जद्दोजहद है।

मधु आचार्य ने कहा कि राजस्थान के कहानीकार यथार्थ के धरातल पर कहानियां रचते हैं। राजेन्द्र जोशी इनमें एक हैं। उन्होंने कहा कि साहित्य में कहानी विधा से आज भी बड़ी उम्मीदें हैं। जोशी इस पर खरे उतरे हैं और समाज के कटु यथार्थ को बखूबी दर्शाया है। डॉ. मदन सैनी ने कहा कि वही साहित्य अमर होता है, जो समाज के इर्द गिर्द होता है। सयानी छोरी की कहानियां हमारे आसपास बिखरी हुई हैं। यह हमारे रीति-रिवाज, परम्पराओं का प्रतिबिम्ब हैं। उन्होंने कहा कि उन कहानियों में नारी के संघर्ष की बातें और उनके अस्तित्व को बनाए रखने का चित्रण है। कथाकार राजेन्द्र जोशी ने कहानियों की विषय वस्तु के बारे में बताया।

दीपावली से पूर्व शहर की सभी सड़कें मोटरेबल हो जाएं : डी.सी.

बीकानेर, (कासं)। संभागीय आयुक्त विश्राम मीणा ने मंगलवार को शहरी क्षेत्र में सड़कों की स्थिति, पेयजल आपूर्ति, वर्षा जल निकासी, चिकित्सा एवं यातायात व्यवस्था संधारण से जुड़ी बैठक ली।

संभागीय आयुक्त ने स्पष्ट निर्देश दिए कि दीपावली से पूर्व शहर की सभी सड़कें मोटरेबल हो जाएं। सभी रोड लाइटें चालू रहें। व्यवस्ततम क्षेत्रों में यातायात व्यवस्था सुचारू हो। निगम साफ-सफाई व्यवस्था संधारण के लिए अतिरिक्त संसाधन लगाएं। शहर के प्रमुख सार्वजनिक स्थानों और बाजारों में रोशनी और सजावट की जाए। उन्होंने कहा कि त्यौहारों के मद्देनजर आमजन को किसी प्रकार की परेशानी नहीं हो, यह सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने सभी अधिकारियों को चुस्त और मुस्तैद रहने के निर्देश दिए।

संभागीय आयुक्त ने बताया कि बीकानेर विकास प्राधिकरण द्वारा बरसाती पानी निकासी के लिए 88 करोड़ रूपए की लागत से कार्य करवाए जा रहे हैं। आगामी बरसात के मौसम से पूर्व शहर के विभिन्न क्षेत्रों में बरसाती जल भराव की समस्या का स्थाई समाधान हो जायेगा। उन्होंने जैसलमेर रोड की ओर पुलिया से उतरते ही एक ट्यूबवैल के कारण सड़क पर लगातार पानी फैलने की समस्या को गंभीरता से लिया और निर्देश दिए कि इसके खिलाफ कानूनी कार्यवाही की जाए।

मीणा ने बताया कि बीकानेर विकास प्राधिकरण द्वारा 52 करोड़, नगर निगम द्वारा 20 करोड़ तथा सार्वजनिक निर्माण विभाग द्वारा 20 करोड़ सहित शहरी क्षेत्र में सड़क सुदृढ़ीकरण से संबंधित 100 करोड़ रूपए से अधिक राशि के कार्य करवाए जा रहे हैं। यह कार्य तीनों विभागों द्वारा पूर्ण समन्वय के साथ करवाए जा रहे हैं, जिससे कोई कार्य ओवरलेप ना हो। उन्होंने कहा कि तीनों विभाग यह सुनिश्चित करें कि दीपावली से पूर्व इन सभी सड़कें मोटरेबल हो जाएं। उन्होंने डामर से जुड़े सभी कार्य 30 नवम्बर तक अनिवार्य रूप से करने के निर्देश दिए। संभागीय आयुक्त ने कार्यों की स्थिति की सड़कवार समीक्षा की और कहा कि दीपावली के मद्देनजर शहर के व्यस्ततम क्षेत्रों में रात्रि के दौरान कार्य करें। प्रमुख मार्गों पर धूल-मिट्टी नहीं उड़े, इसे ध्यान रखते हुए आवश्यक कार्यवाही करें। उन्होंने सफाई का विशेष अभियान चलाने तथा इसके लिए अतिरिक्त मैन पावर और संसाधन नियोजित करने के लिए निर्देशित किया। शहर के प्रमुख चौराहों और मार्गों की लाइटिंग और सजावट करवाने के लिए कहा।

- **ओवरलोड वाहनों की आवाजाही पर जताई नाराजगी, नो एंट्री में घुसे भारी वाहनों के खिलाफ होगी कार्यवाही**

संभागीय आयुक्त विश्राम मीणा ने सड़क, पेयजल आपूर्ति, चिकित्सा और यातायात व्यवस्था की समीक्षा बैठक को संबोधित किया।

संभागीय आयुक्त ने पीबीएम अस्पताल की फायर फाइटर व्यवस्था की जांच करने के निर्देश दिए। साथ ही कहा कि अगले सप्ताह से अभियान चलाकर शहर के कॉमशियल कॉम्प्लेक्स की फायर एनओसी की जांच की जाए। यदि कोई कॉम्प्लेक्स इस एनओसी के बिना संचालित पाया जाए, तो सख्त कार्यवाही की जाए। उन्होंने मेडिकल कॉलेज चौराहे पर यातायात प्रबंधन के मद्देनजर दीपावली तक यातायात पुलिस जाब्ता तैनात करने के निर्देश दिए। संभागीय आयुक्त ने बताया कि निगम द्वारा आागमी दिनों में शहरी क्षेत्र में 4 हजार रोड लाइटें लगाई जायेंगी। दीपावली से पूर्व कम से कम पांच सौ लाइटें लगाएं।

महिला के हत्यारे को उम्र कैद की सजा

बीकानेर,(कासं)। शहर के बीछवाल थाना क्षेत्र में महिला लक्ष्मी पुरोहित की हत्या के मामले में न्यायालय ने अहम फैसला सुनाते हुए हत्यारे को उम्र कैद की सजा सुनाई है।

एडीजे कोर्ट सात की न्यायाधिपति रेणु सिंगला ने फैसला सुनाते हुए युवक समीर को अदालत ने आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। सजा में आजीवन कारावास के साथ ही पचास हजार रूपए का जुर्माना भी लगाया गया है। तय समय में जुर्माना नहीं देने पर दस हजार रूपए अतिरिक्त देने होंगे। ये राशि लक्ष्मी की बेटियों को दी जायेगी। लक्ष्मी देवी के पति राजेश की ओर से पैरवी एडवोकेट संजय रामावत एडवोकेट, अशोक प्रजापत, योगेश रामावत, वेदप्रकाश व इरशाद अंजुम ने की। पुलिस जांच में भी लक्ष्मी पुरोहित हत्याकांड का दोषी समीर खान को माना गया।

अदालत में चली बहस के बाद समीर को उम्र कैद की सजा सुना दी है। बता दें कि साले की होली चौक निवासी राजेश कुमार पुरोहित ने 26 दिसम्बर 23 को बीछवाल थाने में समीर खान के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कराया था। राजेश का आरोप था कि समीर खान उसके यहां ड्राइवर का काम करता था। बाद में वह पत्नी को परेशान करने लगा। इस पर उसे निकाल दिया। फिर भी वो परेशान करता था। 25 दिसम्बर की शाम सात बजे लक्ष्मी अपने घर से गणेश मंदिर जाने का बोलकर निकली थी। वापस नहीं आई तो पति राजेश ने फोन किया लेकिन फोन बंद आ रहा था। इस बीच राजेश ने अपने परिजनों के यहां भी फोन किए लेकिन वह नहीं मिली।

सार-समाचार

मांगों को लेकर शिक्षकों का धरना

बीकानेर में वरिष्ठ शिक्षकों ने शिक्षा निदेशालय पर सांकेतिक धरना दिया।

बीकानेर, (कासं)। शिक्षा निदेशालय बीकानेर के सामने राजस्थान वरिष्ठ शिक्षक संघ रेस्टा ने एक दिन का सांकेतिक धरना लगाया। जिसमें राजस्थान के कोने-कोने से पधारे हुए सभी वरिष्ठ अध्यापकों ने भाग लिया। संगठन के प्रदेश सभाध्यक्ष मनोज नालिया ने बताया कि एक दिन के सांकेतिक धरने में प्रमुख मांग दो साल की बकाया व्याख्याता रिव्यू रिवीजन डीपीसी, 3 साल की बकाया डीपीसी व नव क्रमोन्नत सभी विद्यालयों में व्याख्याता के पद सर्जन जल्दी से जल्दी करें जाएं। रेस्टा के बीकानेर जिला अध्यक्ष ललित कुमार चौधरी ने बताया कि सांकेतिक धरने के बाद में संगठन का प्रतिनिधि मंडल स्टाफ ऑफिसर अशोक शर्मा व डीईओ डीपीसी सोनिया शर्मा को ज्ञापन सौंपा। दोनों अधिकारियों ने बताया कि व्याख्याता की 2 सालों की रिव्यू रिवीजन डीपीसी का प्रस्ताव आरपीएससी भेजा हुआ है। पद सृजन की फाइल निदेशालय से सचिवालय तथा सचिवालय से अब वह फाइल वित्त विभाग के पास है। बकाया 3 साल की डीपीसी पर अधिकारियों ने बताया कि वाइस प्रिंसिपल की ऑनलाइन काउंसलिंग होने के बाद में पदों का सही विवरण विभाग के पास आ जायेगा। उसके बाद बहुत जल्दी आपकी बकाया 3 साल की डीपीसी का प्रस्ताव आरपीएससी भेज देंगे। प्रतिनिधि मंडल में टोडाराम गोलिया, प्रदेश महामंत्री सुरेश विश्नोई, प्रदेश संरक्षक मोहनराम गोदारा, बाड़मेर जिलाध्यक्ष बगताराम जाखड़, विजयशंकर पुरोहित, विजय कुमार, अजय कुमार कांटीवाल, ओमप्रकाश सिद्ध, राजपाल सिंह, नारायण प्रजापत, प्रमोद कुमार, पृथ्वीराज छींपा, सुभाष विश्नोई, हेतराम राहड़, मालाराम, बजरंग लॉयल आदि वरिष्ठ अध्यापक उपस्थित थे।

दत्तोपंत का निर्वाण दिवस मनाया

दत्तोपंत ठेंगड़ी के निर्वाण दिवस पर विचार गोष्ठी को गौरीशंकर व्यास ने सम्बोधित किया।

बीकानेर, (कासं)। भारतीय मजदूर संघ जोधपुर विद्युत वितरण निगम श्रमिक संघ बीकानेर कार्यालय में आज पर दत्तोपंत ठेंगड़ी के निर्वाण दिवस को सामाजिक समरसता दिवस के रूप में मनाया गया। ठेंगड़ी के जीवन पर प्रकाश डालते हुवे प्रदेश उपाध्यक्ष गौरीशंकर व्यास ने बताया दत्तोपन्त ठेंगड़ी का जन्म 10.11.1920 को हुआ बाल्यकाल से ही स्वतंत्रता संग्राम में सक्रिय रहे। 1935 में वे वानरसेना के आर्वी तालुका के अध्यक्ष थे। जब उनका सम्पर्क डॉ. हेडगेवार से हुआ तो संघ के विचार उनके मन में गहराई से बैठ गये। उनके पिता उन्हें वकील बनाना चाहते थे पर दत्तोपंत एम.ए. तथा कानून की शिक्षा पूर्ण कर सन् 1941 में प्रचारक बन गये। शुरू में उन्हें केरल भेजा गया। वहां उन्होंने राष्ट्रभाषा प्रचार समिति का काम भी किया। केरल के बाद उन्हें बंगाल और फिर असम भी भेजा गया। ठेंगड़ी ने संघ के द्वितीय सर संघ चालक श्री गुरूजी के कहने पर मजदूर क्षेत्र में कार्य प्रारंभ किया। इसके लिए उन्होंने इंटक, शेतकरी कामगार फैडरेशन जैसे संगठनों में जाकर काम सीखा। साम्यवादी विचार के खोखलेपन को वे जानते थे। आज के विचार गोष्ठी कार्यक्रम में जिला अध्यक्ष रेखा पंडित जिला कार्यकारी अध्यक्ष शिवदत्त गौड़ श्रमिक संघ वृत महामंत्री रामदेव सांखला, ज्ञानेन्द्र सिंह, ओम रामावत, चंद्रकांत घारू, राजेन्द्र मीणा, अशोक गौड, संजय साहू, अनिल सिंह, गणेश दास, धर्मपाल नाथ, सुनील शर्मा, ललित स्वामी, सुनील शर्मा आदि उपस्थित सभी ने श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए अपने विचार रखें।

तपस्वियों का अभिनंदन आज से

बीकानेर, (कासं)। रांगड़ी चौक के सुगनजी महाराज के उपासरे में बुधवार से चातुर्मास के दौरान लूखा भोजन कर आयम्बिल की तपस्या करने वाले श्रावक-श्राविकाओं का अभिनंदन शुरू किया जायेगा। अभिनंदन का दौर नियमित कुछ दिन चलेगा। गणिवर्य मेहुल प्रभ सागर म.सा. ने मंगलवार को प्रवचन में कहा कि जैन धर्म में पंच परमेष्ठी (अरिहंत, सिद्ध, आचार्य, उपाध्याय व साधु) सर्वोच्च पद व शासन या गुणों में श्रेष्ठ है। पंच परमेष्ठी सर्वोच्च स्थान पर स्थित है। पंच परमेष्ठी हमें संसार सागर से तैरने, मोक्ष की उड़ान भरने का आव्हान करती है। पंच परमेष्ठी के आव्हान को आत्मसात करें तथा ज्ञान, दर्शन व चारित्र व तप का आलम्बन लेकर धर्म में प्रवृत होकर प्रगति करें। हृदय, मति व जीवन की गति को परिवर्तन कर मोक्ष मार्ग की ओर ले जाएं। उन्होंने कहा की जैन मुनि व साध्वीवृंद चातुर्मास के दौरान 84 लाख के चक्कर से बचाकर पंचम गति यानि मोक्ष की ओर जाने, काम, क्रोध, लोभ व मोह आदि कषायों को छोड़ने, पाप कर्मों से बचने व पुण्य का संचय करने के लिए प्रेरित करते है।

पुन्यार्थम ट्रस्ट के बच्चों को दिया नशा मुक्त जीने का संदेश

बीकानेर, (कासं)। जिला उद्योग संघ में तपस्वी मुनि कमल कुमार ने जैन अनुयायियों, पुन्यार्थम ट्रस्ट द्वारा संचालित संस्कार केन्द्रों में अध्ययनरत बालक-बालिकाओं तथा उद्यमियों को सम्बोधित करते हुए बताया कि व्यक्ति चाहे किसी का भला करने में समर्थ हो या ना हो लेकिन किसी का बुरा कभी मत करना चाहिए। साथ ही बच्चों को स्वच्छता व पर्यावरण का सन्देश दिया।

अगर कोई त्यौहार हो तो उसे एक दूसरे के साथ मिलकर मनाओ लेकिन उसमें यह खयाल रखें कि आपकी खुशी का असर आस- पास के वातावरण व प्रदूषण को ना बिगाड़े। आप सभी को खुद के साथ-साथ परिवार तथा समाज को स्वस्थ बनाना है। अपने जीवन को और अधिक सात्विक बनाते हुए व्यसन से मुक्त रहना है। मेरा काम आप सभी को इंसान बनाना है। अगर आप इंसान बन गये तो आगे जाकर अपने देश का नाम रोशन करने में सक्षम हो पायेंगे और सद्कर्म पर चलते हुए आपके मार्ग में कसी भी प्रकार की आने वाली बाधा स्वत: ही दूर हो जायेगी। बीकानेर जिला उद्योग संघ के अध्यक्ष द्वारकाप्रसाद पचीसिया ने मुनि को बीकानेर के 500 वर्षों को अपने आंचल में समेटी हुई आर्ट गैलेरी का दर्शन करवाया जिसे देख मुनिश्री ने सराहना करते हुए बताया कि यह इंसान की बड़ी सोच और उसके अपने शहर की साझी विरासत को बचाए रखने में एक महत्वपूर्ण पहल है।

जिला उद्योग सभागार में मुनि कमलकुमार ने प्रवचन में बच्चों को व्यसन मुक्त जीने का संदेश दिया।

19 तक दावे-आपत्तियां मांगे

बीकानेर, (कासं)। उच्च न्यायालय के आदेशों की पालना में नगर पालिका देशनोक का वर्ष 2011 की जनगणना के आधार पर परिसीमन और वार्डों के पुनर्गठन का प्रारूप आवश्यक संशोधन कर पुन: जारी किया गया है। नगर पालिका अधिनियम 2009 की धाराओं के तहत प्रारूप प्रकाशन की तिथि से 7 दिनों तक आमजन से आपत्तियां प्राप्त की गई है।

उप जिला निर्वाचन अधिकारी सुरेश कुमार यादव ने बताया कि उच्च न्यायालय के आदेशों की पालना में प्रारूप प्रकाशन में संशोधन कर इसे 11 अक्टूबर को पुन: प्रारूप प्रकाशन कर दिया गया है। इसके नोटिस की चस्पानगी बीकानेर उपखंड अधिकारी कार्यालय और देशनोक नगर पालिका कार्यालय में की गई है तथा आमजन से दावे और आपत्तियां 12 से 19 अक्टूबर तक प्राप्त की गई है। आपत्तियों का निस्तारण 25 अक्टूबर तक कर समीक्षा रिपोर्ट के साथ भिजवाने के निर्देश उपखंड अधिकारी को दिए।

कूंकणा सहित 11 को मिली जमानत

बीकानेर, (कासं)। सादुलगंज स्थित आयुष्मान हार्ट केयर सेन्टर के खिलाफ आन्दोलन कर रहे कांग्रेसी नेता सहित 11 जनों को आज न्यायालय ने जमानत दे दी है।

आरोप है कि इन्होंने विगत दिनों जिला कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन के दौरान पथराव किया था। जिसके चलते गंभीर धाराओं में कांग्रेस के प्रदेश सचिव रामनिवास कूकणा सहित कई नेताओं को गिरफ्तार कर लिया था। निचली अदालत में जमानत नहीं मिली थी। किन्तु इसके बाद जिला एवं सत्र न्यायाधीश के समक्ष सभी ने जमानत याचिका लगाई गई।

इस दौरान तर्क दिया गया कि आयुष्मान हार्ट केयर अस्पताल के खिलाफ आंदोलन के दौरान पुलिस को मारने का कोई प्रयास नहीं हुआ था। राजकार्य में बाधा भी नहीं डाली गई। पुलिस के लाठीचार्ज के बाद स्थिति में बदलाव आया। अदालत ने इस मामले में सभी 11 आरोपियों को जमानत दी है। जरूरत पड़ने पर अदालत में पेश होना पड़ेगा। गौरतबल रहे कि सदर थाना प्रभारी दिगपाल सिंह ने मामला दर्ज कराया था कि रामनिवास कूकणा, श्रीकृष्ण गोदारा और हरिराम गोदारा सहित 11 लोगों ने राजकार्य में बाधा डालने का प्रयास किया।

- **प्रदर्शन के दौरान पथराव मामले में कांग्रेस नेता रामनिवास कूकणा सहित कई नेताओं को गिरफ्तार कर लिया था**
- **निचली अदालत में जमानत नहीं मिली थी**

पति के हमले में घायल पत्नी ने दम तोड़ा

बीकानेर, (कासं)। शहर के भुट्टो का बास इलाके में करवा चौथ के दिन हुए पति-पत्नी विवाद में घायल महिला सलमा बानो ने मंगलवार को पीबीएम अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया।

मृतका के परिजन अब आरोपी पति मेहताब की गिरफ्तारी की मांग को लेकर मोर्चरी के बाहर धरना-प्रदर्शन कर रहे हैं। घटना शुक्रवार शाम की है जब भुट्टो का बास मस्जिद के पीछे गली निवासी मेहताब ने किसी बात को लेकर पत्नी सलमा बानो पर कुल्हाड़ी से ताबड़तोड़ हमला कर दिया था। हमले में सलमा गंभीर रूप से घायल हो गई। बताया जा रहा है कि मेहताब ने हमले के बाद सलमा के मुंह में कपड़ा ठूंस दिया ताकि उसकी चीख कोई सुन न सके। कुछ देर बाद जब पड़ौसियों ने घर के बाहर खून देखा तो उन्होंने अंदर जाकर सलमा को लहूलुहान हालत में पाया और तुरंत पीबीएम अस्पताल के ट्रोमा सेंटर ले जाया गया। तीन दिन तक जिंदगी और मौत के बीच जूझने के बाद सलमा ने दम तोड़ दिया। हमले के बाद से ही आरोपी मेहताब मौके से फरार हो गया था।

- **घायल महिला सलमा बानो ने मंगलवार को पीबीएम अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया**

आज विभिन्न क्षेत्रों में जलापूर्ति बाधित रहेगी

बीकानेर, (कासं)। त्यौहारों के दौरान निर्बाध एवं सुचारू पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए शोभासर प्लांट स्थित क्लियर वाटर पंप हाउस में नॉन रिटेनिंग वाल्व (एनआरवी) बदलने एवं मरम्मत से जुड़े कार्य बुधवार को किए जायेंगे। इन तकनीकी कार्यों के कारण बुधवार को शहर के विभिन्न क्षेत्रों में जलापूर्ति बाधित रहेगी। अधिशाषी अभियंता सुभाष जनागल ने बताया कि नयाशहर जोन, नत्थूसर जोन, लक्ष्मीनाथ जोन, मुक्ता प्रसाद जोन, एमपी कॉलोनी जोन, रामपुरा जोन और गंगाशहर जोन में जलापूर्ति बाधित रहेगी। इन क्षेत्रों में रहने वाले उपभोक्ताओं से आवश्यक जल संग्रहण पूर्व में करने और जल के विवेकपूर्ण उपयोग में सहयोग का आव्हान किया गया है।

एस. सी. प्रकरण सहायता स्वीकृति के लिए लंबित न रहें : रमेश देव

बीकानेर, (कासं)। अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम के अंतर्गत गठित जिला स्तरीय सतर्कता एवं मॉनिटरिंग समिति की बैठक मंगलवार को एडीएम सिटी रमेश देव की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित की गई।

बैठक में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के संयुक्त निदेशक एल.डी.पंवार ने चालू वित्तीय वर्ष की प्रगति रिपोर्ट से अवगत करवाते हुए बताया कि अब तक अनुसूचित जाति के 130 पीड़ितों को 112.50 लाख रूपये की आर्थिक सहायता राशि भुगतान की गई है।

पंवार ने बताया कि पुलिस थानों में एफआईआर स्तर पर 36 प्रकरण विभिन्न कारणों से लम्बित है जिन्हें यथा शीघ्र जिला कार्यालय को ऑनलाइन अग्रेषित किया जावे ताकि अग्रिम कार्यवाही की जा सके। इस पर देव ने निर्देशित किया कि सभी प्रकरणों की एफ.आई.आर. दर्ज होते ही तुरंत प्रकरण सहायता स्वीकृति हेतु सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग को ऑनलाइन अग्रेषित किये जाये एवं थाना स्तर पर कोई प्रकरण लंबित नहीं रहे।

देव ने कहा कि इसी प्रकार न्यायालय में चालान पेश होने के तुरंत बाद चालान स्तर की राहत राशि स्वीकृति हेतु प्रकरण ऑनलाइन पोर्टल पर अपलोड कर पीड़ितों को आर्थिक सहायता राशि प्रदान की जाने हेतु सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग को ऑनलाइन अग्रेषित करें। एडीएम सिटी ने 2 माह से अधिक समय से लंबित प्रकरणों का निस्तारण शीघ्रता से करने के निर्देश दिए।

- **अनुसूचित जाति के 2 माह से अधिक समय से लंबित प्रकरणों का निस्तारण करने के निर्देश दिए**
- **पुलिस थानों में 36 प्रकरण लम्बित हैं**

तीन साल से लगातार गौशालाओं को अनुदान समय पर नहीं मिल रहा : नीमराना

बीकानेर, (कासं)। गौशाला संघ के द्वारा आज तुलसी सर्किल पर 7 नवम्बर को होने वाले संभाग स्तरीय गौशाला संचालकों की विशाल सभा के लिए बैठक का आयोजन, बीकानेर गौशाला संघ के संरक्षक भींवराज डूडी की अध्यक्षता में किया गया गया।

आज की बैठक में संघ के अध्यक्ष सूरजमाल सिंह नीमराना ने बताया कि 7 नवम्बर को गौशालाओं के हित में आयोजित होने वाले संभाग स्तरीय गौशाला संचालक विशाल सभा, गौशालाओं को बचाने के लिए आंदोलन का शंखनाद होगा। इस विशाल सभा में बीकानेर संभाग सहित कुचामन डीडवाना जिले के गौशाला संचालक भी भाग लेंगे। लगभग बीकानेर संभाग सहित कुचामन डीडवाना की 1300 गौशालाएं भाग लेंगी। नीमराना बताया कि वर्तमान में सरकार पिछले 3 वर्ष से गौशालाओं को बहुत ज्यादा उत्पीड़ित कर रही है। सरकार की मंशा सरलता से अनुदान देने की रही होगी परंतु प्रशासन और गोपालन विभाग गौशालाओं को बहुत ज्यादा तंग कर रहा है। पिछले 3 वर्ष से लगातार गौशालाओं को अनुदान समय पर नहीं मिल रहा है। वर्तमान अनुदान जो गौशालाओं को मई जून में मिलना चाहिए था। अक्टूबर आ गया परंतु राजस्थान की 3500 अनुदानित गौशाला में से मात्र 1605 गौशालाओं को ही अभी तक अनुदान मिला है। शेष गौशालाएं अनुदान को तरस रही है।

11 माह बीत जाने के बाद भी अनुदान नहीं मिलना, गौशालाओं के प्रति सरकार की उदासीनता है। एक तरफ तो सरकार गौशालाओं के हित, अनुदान में राशि बढ़ाने की बात करके,आमजन में प्रचार कर रही है।

बीकानेर में गौशाला बचाओ महाआंदोलन को लेकर आयोजित बैठक में चर्चा करते गौप्रेमी।

- **गौशाला बचाओ महा आंदोलनका शंखनाद बीकानेर से होगा**
- **गौशाला बचाओ महाआंदोलन बैठक को लेकर बैठक आयोजित**

अधूरे कार्य जल्द करवाने की मांग

बीकानेर, (कासं)। गुरू वाल्मीकि मंदिर सेवा समिति के अध्यक्ष रामनिवास पिवाल के नेतृत्व में आज एक शिष्टमंडल ने नगर परिषद आयुक्त रविन्द्र यादव को ज्ञापन सौंपा।

अध्यक्ष रामनिवास पिवाल ने आयुक्त को बताया कि वार्ड नं. 05 स्थित भगवान वाल्मीकि मंदिर पर स्थित खाली भूखण्ड पर भगवान वाल्मीकि सामुदायिक भवन का निर्माण वर्ष 2020-21 में करवाया गया था। जिसका केवल 55 प्रतिशत ही कार्य हुआ है जो कि अधूरा है। दरवाजे, फर्श, ग्रिल, रेलिंग, कलर, गुमट, पत्थर, टॉयलेट, बाथरूम जैसे जरूरी निर्माण कार्य जो अभी भी नहीं हुए है। निवर्तमान पार्षद बंटी वाल्मीकि ने कहा की उक्त वार्ड कच्ची बस्ती का है तथा वार्ड नं. 05 में मजदूर, सफाई कार्य पेशे से जुड़े हुए गरीब लोग निवासरत है। वाल्मीकि सामुदायिक भवन का कार्य पूर्ण होने से गरीब लोग अपने विवाह, शादी, पार्टी व अन्य कार्यक्रम कर सकेंगे व धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन हो सकेगा।

बैठक कल

श्रीगंगानगर, 14 अक्टूबर। राज्य सरकार द्वारा जन भावना के अनुरूप पारदर्शी एवं संवेदनशील वातावरण में आमजन की परिवेदनाओं, समस्याओं की सुनवाई एवं त्वरित समाधान के लिये जिला स्तरीय जनसुनवाई का आयोजन किया जायेगा।

राजस्थान सरकार, कार्यालय नगर विकास न्यास, श्रीगंगानगर (राज.)

Telefax No. 0154-2466652, Email :- uit_sgnr@yahoo.com Off. Add:- UIT Office, Model Town, Sri Ganganagar (Raj.) 335001

क्रमांक :- नियमन/2025/4418 **सार्वजनिक आपत्ति सूचना** दिनांक : 14.10.2025

सर्व साधारण को सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है कि कृषि भूमि क्षेत्र में रिद्धयशी भूखण्ड वाके चक 7 ई छोटी मुरब्बा नं. 10 के किला नं. 9,10 में भूखण्ड संख्या का माप 30 गुणा 60' फीट के नियमन / पटटा हेतु आवेदक श्रीमती मंजु देवी पत्नी श्री बंशीधर निवासी निवासी 117 वार्ड नं. 02 भरत नगर श्रीगंगानगर द्वारा प्रस्तुत दस्तावेजों के आधार पर इनके भूखण्ड का नियमन किया जाना है। अत: उपरोक्त वर्णित भूखण्ड के आवेदक के द्वारा प्रस्तुत दस्तावेजों / रकबे के संबंध में किसी को कोई आपत्ति हो तो वह अपनी आपत्ति मय सबूत आपत्ति सूचना के प्रकाशन की तिथि से 07 दिवस के अन्दर-अन्दर न्यास कार्यालय में कमरा नं. 17 में प्रस्तुत कर सकता है अन्यथा बाद मियाद गुजरने अवधि के उपरान्त आवेदक श्रीमती मंजु देवी पत्नी श्री बंशीधर निवासी निवासी 117 वार्ड नं. 02 भरत नगर श्रीगंगानगर द्वारा प्रस्तुत दस्तावेजों के आधार पर चक 7 ई छोटी मुरब्बा नं. 10 के किला नं. 9,10 में भूखण्ड संख्या का माप 30 गुणा 60' फीट का नियमन / पटटा जारी कर दिया जावेगा। यदि उक्त वर्णित क्षेत्र का पूर्व में नियमन / पटटा जारी होना पाया गया तो वर्तमान पटटा स्वत: ही निरस्त माना जावेगा। न्यास किसी भी विवाद के लिए जिम्मेवार नहीं होगा।

- सचिव, नगर विकास न्यास, श्रीगंगानगर

कार्यालय नगर विकास न्यास, श्रीगंगानगर (राज.)

क्रमांक:- नियमन/2025/ **सार्वजनिक आपत्ति सूचना** दिनांक : 14/10/2025

सर्व साधारण को सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है कि कृषि भूमि क्षेत्रों में कृषि से अकृषि प्रयोजनार्थ रूपान्तरित योजना में 04 एमएल मुरब्बा नं. 29 के किला नं. 15 में भूखण्ड माप 25 इन्दू 51 फीट का नगर विकास न्यास, श्रीगंगानगर द्वारा पट्टा संख्या 3845 दिनांक 22.04.2006 को श्री संजीव मित्तल पुत्र श्री मेघराज मित्तल के नाम से जारी किया हुआ है। श्री इन्दुलाल भाटिया पुत्र स्व. श्री बनारसीदास, निवासी 67 थर्ड ब्लॉक, पुरानी आबादी, श्रीगंगानगर द्वारा पंजीकृत बैयनामें दिनांक 03.04.2012 को क्रय कर, स्वामित्व के दस्तावेज एवं शपथ पत्र प्रस्तुत कर न्यास कार्यालय द्वारा पूर्व में जारी पट्टे, नामान्तरण एवं अन्य दस्तावेजों का समर्पण कर उक्त भूखण्ड का फ्री होल्ड पट्टा जारी करने हेतु आवेदन किया है। अत: उक्त के संबंध में किसी को कोई आपत्ति हो तो अपनी आपत्ति मय सबूत छाया दिनांक से 07 दिवस के अन्दर अन्दर न्यास कार्यालय के कमरा नं. 17 में प्रस्तुत करें, अन्यथा बाद मियाद गुजरने के उपरान्त आवेदकों द्वारा प्रस्तुत दस्तावेजों एवं शपथ पत्र के आधार पर राजस्थान नगरीय क्षेत्र (कृषि भूमि का गैर कृषि प्रयोजन के लिए उपयोग की अनुज्ञा एवं आवंटन) नियम 2012 के नियम 20, 25 एवं 27 की अनुपालना में कार्यवाही करते हुए फ्री होल्ड पट्टा जारी कर दिया जावेगा। इस सम्बन्ध में न्यास किसी भी विवाद के लिए जिम्मेवार नहीं होगा। - सचिव, नगर विकास न्यास, श्रीगंगानगर।

कार्यालय प्राधिकृत अधिकारी, बीकानेर विकास प्राधिकरण, बीकानेर

क्रमांक- LU2012/BIK/2025-26/100648 **लोक सूचना** दिनांक- 06.10.2025

श्री RANDHIR KUMAR BISHNOI पुत्र श्री SHIV PRATAP BISHNOI जाति BISHNOI निवासी WARD 01, 3SP, GANGANAGAR, SATZANDA, RAJASTHAN पार्टनर SHREE BALAJI FITNESS CENTER ने इस कार्यालय में नीचे उल्लिखित भूमि का औद्योगिक प्रयोजन के उपयोग हेतु ऐसी भूमि के अपने अभिधृति अधिकारों के निर्वापन के लिए आवेदन प्रस्तुत किया है, अर्थात् -

क्र. सं.	ग्राम तहसील व जिले का नाम	खातेदार का नाम	खसरा सं.	क्षेत्रफल (वर्गमीटर)	क्षेत्रफल (हैक्टेयर)
1.	खाग, बीकानेर (बीकानेर)	SHREE BALAJI FITNESS CENTER जरिये पार्टनर श्री RANDHIR KUMAR BISHNOI पुत्र श्री SHIV PRATAP BISHNOI	231/1	5000	0.5

इसलिए, इसके द्वारा समस्त संबंधित व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम 1956 की धारा 90-क और राजस्थान अभिधृति अधिनियम 1955 की धारा 63 के अधीन पूर्वोक्त प्रयोजनों के लिए भूमि के उपयोग हेतु अनुज्ञा प्रदान करने और अभिधृति अधिकारो के निर्वापन पर कोई आक्षेप है तो वह इस नोटिस के प्रकाशन के 7 दिन के भीतर-भीतर एसएसओ आईडी से लॉग इन कर 90-A For Development Authority (UDH) आईकॉन पर जाकर समर्थक दस्तावेज को अपलोड कर अपना आक्षेप दर्ज कर सकते है। उपर्युक्त नियत समय के भीतर-भीतर किसी आक्षेप के अभाव में यह समझा जायेगा कि किसी को आक्षेप नही है और तदनुसार मामले का निपटारा किया जायेगा। यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधीन आज 06.10.2025 को जारी की गयी। - प्राधिकृत अधिकारी, बीकानेर विकास प्राधिकरण बीकानेर